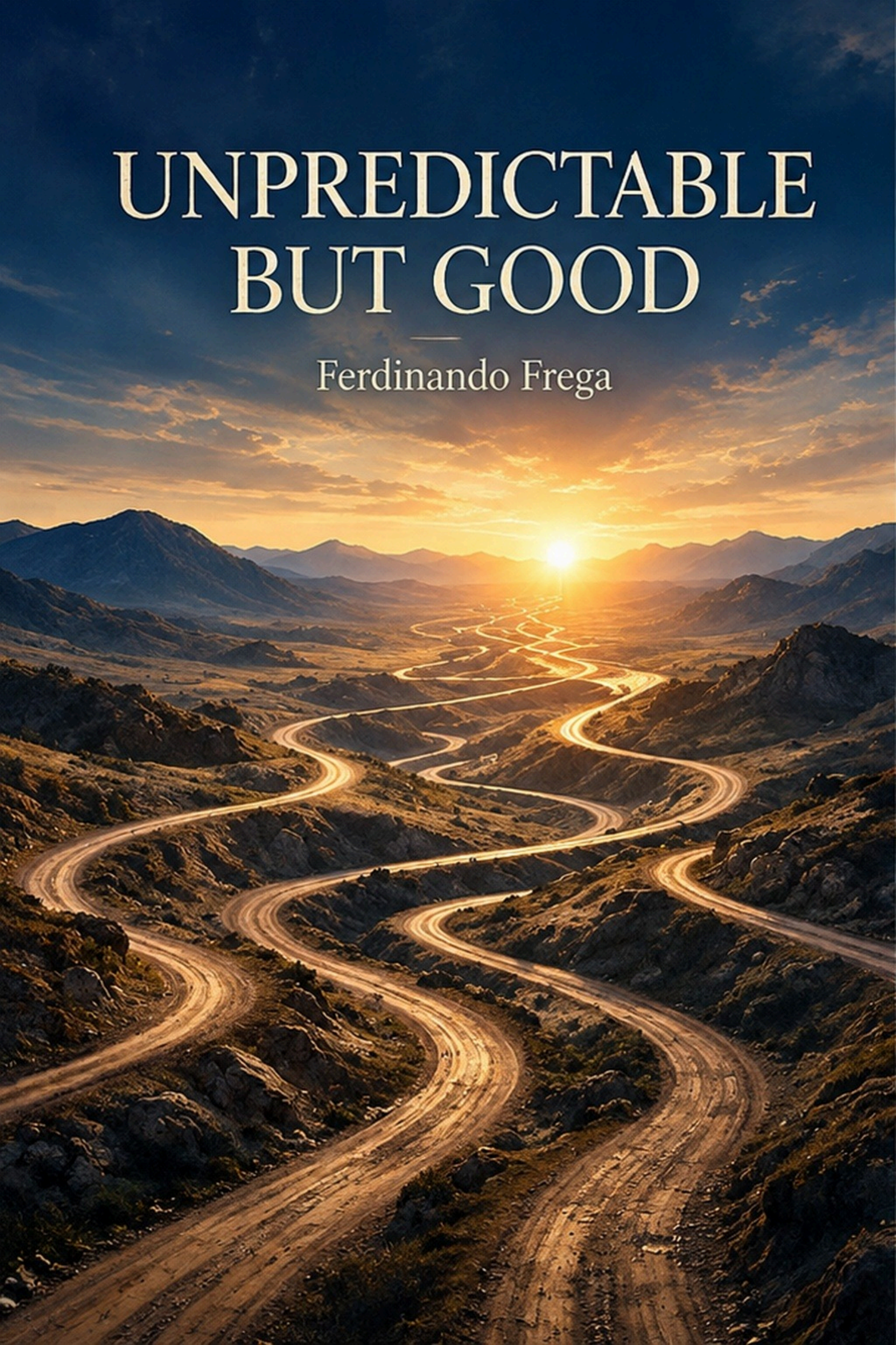
# UNPREDICTABLE BUT GOOD

Ferdinando Frega



# जिलेट: अप्रत्याशित, मगर नेक

वह दो बार जन्मा — एक बार कालाब्रिया में ग़लती से, एक बार अमेरिका में नियति से — और इन दोनों के बीच उसने वह सब कुछ बनाया जो दोनों के लायक़ होने के लिए ज़रूरी था। फिर उसने तथ्यों को बोलने दिया, उसी क्रम में जिसमें वे आए — न कोई टिप्पणी, न कोई विश्लेषण, न कोई ऐसा विशेषण जो पहले से उसकी हरकतों में न रहा हो।

आगे चलता एक पिता, चालीस साल का रास्ता जो पहले ही तय हो चुका था। एक बेध्यान सारस। ग्यारह साल की उम्र, एक समुद्र तट, और बिना अंडरवियर की एक औरत। जिलेट, जो विश्वविद्यालय थी, परिवार थी, जंग थी। एक पत्नी जो बस उतना जानती है जितना उसने उसके जानने के लिए चुना। तीन बच्चे — वही तीन, जो हर बार लौट आता है। रोसारियो, जो एक दिन उस पर इल्ज़ाम लगाता है, और वह फिर भी उसे अलविदा कहता है। अस्सी किताबें, किसी से इजाज़त माँगे बिना लिखी हुईं। एक पिता जो अप्रैल 2025 में मरता है और उसे आगे धकेलना कभी बंद नहीं करता। एक तुर्क आदमी, नेपल्स की एक मुर्ग़ी और पहले से उबले हुए अंडों के साथ। और आख़िर में — उपसंहार की तरह नहीं, मंज़िल की तरह — एक अमेरिकी रात, चिर विश्राम, और कोई नहीं जो उसे भूल पाए।

फिर भी उस दुबली-सी लकीर के पीछे एक बड़ा नक़्शा है। जीवनी नहीं — एक नैतिक मानचित्र। एक आदमी की राह, जिसने अनुशासन को भाषा में, काम को पहचान में, स्मृति को वास्तु में बदल दिया। एक आदमी जो व्यवस्थाओं से — जिलेट, लॉरियल, प्रॉक्टर — वैसे गुज़रा जैसे महाद्वीपों से गुज़रा जाता है: वही ब्लेड लिए, वही आस्था लिए।

उसकी ज़िंदगी घटनाओं का सिलसिला नहीं है। वह चरित्र की एक ज्यामिति है: फ़र्ज़ और आज़ादी, पिता और पुत्र, ब्लेड और कोमलता। उसने एक ऐसा कथा-संसार रचा जहाँ हर किताब डीएनए का एक टुकड़ा है, हर शब्द एक कोड, हर हरकत एक दस्तख़त।

और अगर कोई पूछे कि वह असल में कौन था, तो जवाब सीधा होगा: एक आदमी जिसे अप्रत्याशित होना आता था, मगर नेक।

जैसा उसके पिता कहते थे। बस वही शब्द जो मायने रखते हैं।

*नांदो*